की भी देख रेख करलें । अतः इस कामपर कोई अनावश्यक खर्चा नहीं हुआ ।

एक छोटा अधिकारी इस पैम्फलैट की 2000 प्रतियां पत्र सूचना कार्यालय के जयपुर कार्यालय में विदेशी पत्र प्रतिनिधियों में बांटने के लिये ले गया, जो वहां बड़ी संख्या में कांग्रेस अधिवेशन में आये थे । यह अधिवेशन यों भी प्रचार के लिए बहुत अच्छा मौका था ।

पूर्वी यूरोपीय देशों से प्रतिरक्षा सम्बन्धी उपकरण

3834. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री युद्धवीर सिंह :
श्री बड़े :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत कुछ पूर्वी यूरोपीय देशों से प्रतिरक्षा सम्बन्धी उपकरण खरीदेगा;

(ख) इन उपकरणों का ब्यौरा क्या है और उनके लिए भारतीय मुद्रा में कितनी धनराशि देनी पड़ेगी; और

(ग) क्या वह उपकरण इस देश में नहीं बनाये जा सकते ?

प्रतिरक्षा मन्त्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण): (क) से (ग). केवल ऐसा रक्षा साज-सामान विदेशों से मंगाया जाता है जिसका आवश्यकताओं के अवधि के अन्दर अन्दर देश में निर्माण नहीं किया जा सकता । पूर्वी योरूपीय देशों से क्रय प्रायः उन देशों से हुए वार्षिक व्यापार करारों के अन्तर्गत आते हैं, और अदायगी प्रायः अपरिवर्तनीय रुपयों में की जाती है ।

इन देशों से खरीदे गए साजसामान के विस्तार और उनका मूल्य प्रकट करना लोकहित में नहीं होगा ।

Display of Party Flags in Cinema Films

3835. **Dr. P. Srinivasan:**
Shri M. Malaichami:
Shri Reddiar:

Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that party flags are exhibited in cinema films for propaganda purposes in Madras State; and

(b) the action taken by the Central Board of Film Censors so far to prevent such an exhibition?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri Raj Bahadur): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Pay and Allowances of civilians in Armed Forces Messes

3837. **Shri Gulshan:**
Shri P. H. Bheel:

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) the details of expenditure incurred by Government on the pay and allowances of mess civilians of all categories from 1st March, 1965 to 1st March 1966;

(b) whether there are Unit accountants in the various messes; and

(c) if so, their functions and expenditure incurred on them during the above period?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) In the Army, units organised on Peace Establishment employ civilian mess servants and these servants are paid out of the mess funds. Government have no financial liability in respect of them. Units on War Establishments are entitled to combatant mess servants and, where they do not happen to be available, civilian mess servants are employed in lieu and the liability for their pay and allowances is that of the Government. The rates of pay